१३. दिशा और मानचित्र

बताओ तो

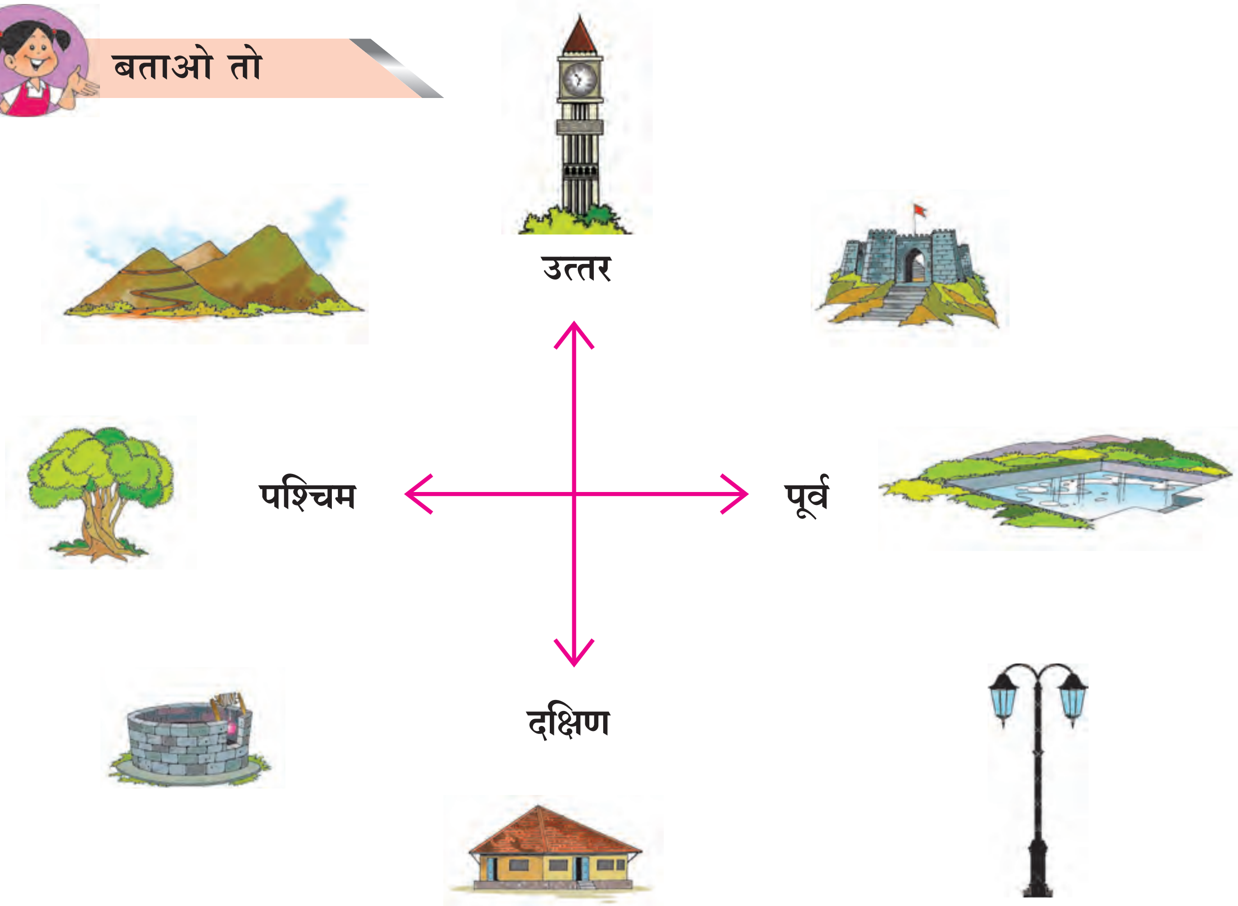

कौन-सा चित्र किस दिशा में है, उसे पहचानो तथा नीचे दिए गए खानों में लिखो ।

चित्र	दिशा	चित्र	दिशा
		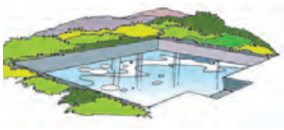	

अब नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखो ।

प्र.१. किन चित्रों की दिशा तुमने स्वयं पहचानकर लिखी है ?

प्र.२. किन चित्रों की दिशा निर्धारित करते समय तुम्हें दूसरों की सहायता लेनी पड़ी ?

प्र.३. पिछली कक्षा में तुमने कौन-सी मुख्य दिशाएँ सीखी थीं ?

बताओ तो

पहाड़ी, कुआँ, बल्ब का खंभा तथा किला ये चित्र मुख्य दिशाओं में नहीं हैं । ये चित्र कौन-सी दो दिशाओं के मध्य हैं; वह खोजो और नीचे खानों में लिखो ।

चित्र	मुख्य दिशा
पहाड़ी	उत्तर और पश्चिम
कुआँ	
बल्ब का खंभा	
किला	

दो मुख्य दिशाओं के मध्य भी बहुत-सी वस्तुएँ होती हैं । इन वस्तुओं की दिशा निर्धारित करने के लिए उपदिशाओं का उपयोग किया जाता है ।

बताओ तो

नीचे दी गई दिशाओं तथा उपदिशाओं के चक्र का अच्छी तरह अध्ययन करो :

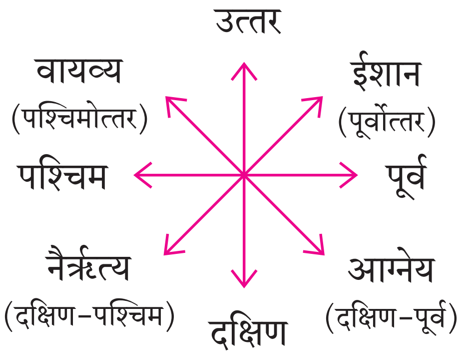

प्रत्येक दो क्रमिक मुख्य दिशाओं के मध्य कौन-सी उपदिशा है, उसे अच्छी तरह समझो । अब प्रकरण के प्रारंभ में दिए गए चित्र कौन-सी दिशा तथा उपदिशा में हैं, वह अपनी कॉपी में एक बार फिर लिखो ।

किसी छोटे कागज पर दिशाओं तथा उपदिशाओं का चक्र बनाओ । बाद में हम उसका उपयोग करने वाले हैं ।

क्या तुम जानते हो

दिशाएँ सदैव जमीन के समांतर होती हैं । इसलिए मानचित्र को भी स्थानीय दिशाओं के अनुसार सदैव जमीन पर रखना चाहिए । इसके पश्चात उसका वाचन करना अचूक होता है।

थोड़ा सोचो

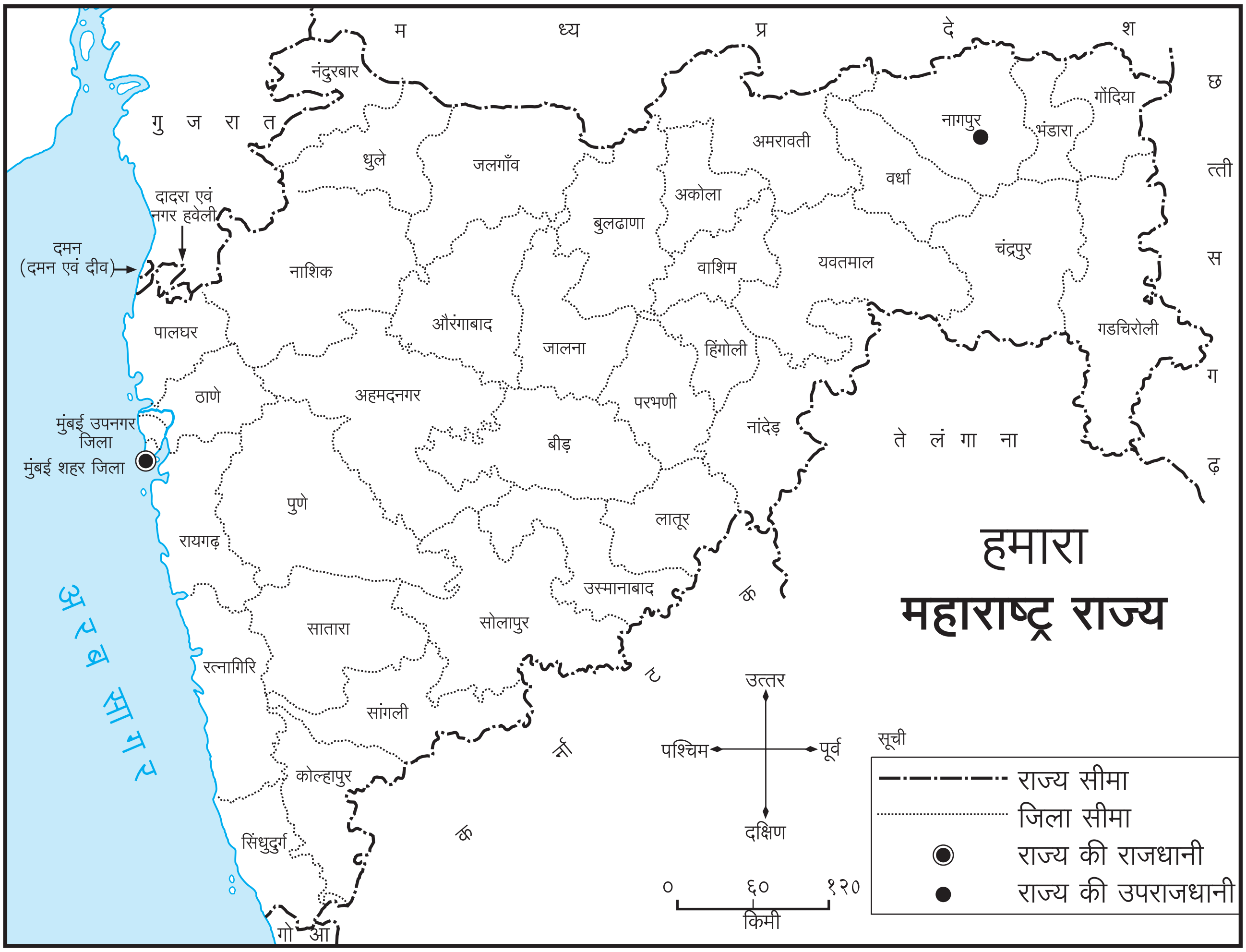

- तुमने जो दिशाचक्र बनाया है, उसका उपयोग ऊपर के मानचित्र के लिए करो ।
  - दिशाचक्र को बीड़ जिले पर रखकर अंकन करो कि अन्य कौन-कौन-से जिले किन मुख्य दिशाओं तथा उपदिशाओं में आते हैं ।
  - दिशाचक्र को अन्य जिलों पर रखकर अंकन करो कि अन्य कौन-कौन-से जिले मुख्य दिशाओं तथा उपदिशाओं में आते हैं ।
- राज्य के मध्यभाग में दिशाचक्र रखो तथा राज्य में अपने जिले का स्थान समझो ।

परिसर के विभिन्न स्थान एक-दूसरे से कुछ दूरी पर होते हैं । इन स्थानों के आकार भी बड़े होते हैं । मानचित्र का आकार उसकी तुलना में छोटा होता है । इसलिए स्थानों के बीच की दूरी भी मानचित्र में दिखाते समय कम करनी पड़ती है ।

चित्र बनाते समय हम घर, पहाड़ी, मनुष्य इत्यादि के चित्र आकार में इतने छोटे बनाते हैं कि वे कागज के आकार में समा सकें । मानचित्र बनाते समय भी ऐसा ही करना पड़ता है परंतु ऐसा करते समय जमीन पर स्थित दो स्थानों के बीच की दूरी पर विचार किया जाता है और बाद में यह निर्धारित करना पड़ता है कि उसे मानचित्र में किस अनुपात में कम किया जाए । तात्पर्य यह है कि मानचित्र में स्थानों के बीच की दूरी अनुपातबद्ध होती है । नीचे दिए गए चित्र की सहायता से इसे समझो ।

थोड़ा सोचो

रसिका और रेश्मा के घरों के बीच की दूरी १० किलोमीटर (किमी) है । मानचित्र खींचने के लिए पैमाना १ सेंटीमीटर (सेमी) = १ किमी है । मानचित्र में उनके घरों के बीच की दूरी कितनी होगी ?

अपनी कॉपी के कागज पर मापनपट्टी की सहायता से दूरी ज्ञात करके देखो ।

इसे सदैव ध्यान में रखो

दिशाएँ तथा उपदिशाएँ मनुष्य द्‍वारा निर्धारित की गई हैं । उसके लिए मनुष्य ने प्रकृति की सहायता ली है । सूर्योदय तथा सूर्यास्त इनका प्रमुख आधार है ।

तुम क्या करोगे

- रंजना और जूली सैर के लिए किसी दूसरे गाँव आई हैं । उन्हें उनके रहने के स्थान से उद्‌यान की ओर जाना है । उनके पास उस मार्ग का मानचित्र है ।

१. उनके रहने के स्थान से उद्‌यान तक की दूरी ज्ञात करने में उनकी सहायता करो ।

२. उनके रहने के स्थान से उद्‌यान किस दिशा में है, उसे खोजने में उनकी सहायता करो ।

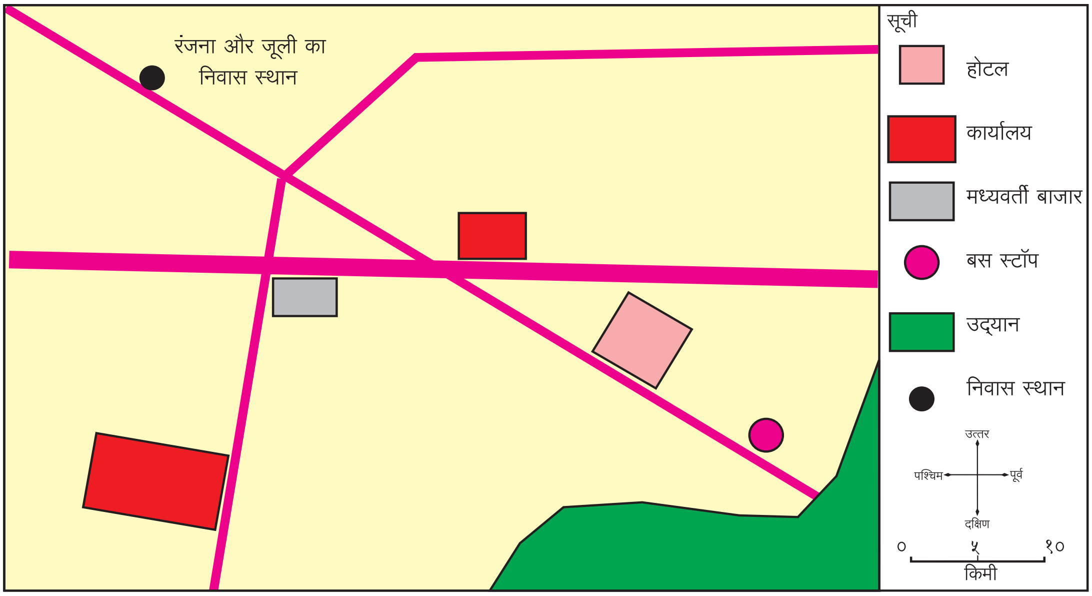

हमने क्या सीखा

- उपदिशाओं का परिचय/जानकारी
- दिशाचक्र
- मानचित्र की अनुपातबद्‌धता (पैमाने के अनुसार होना)
- मानचित्र में दूरी तथा जमीन की दूरी के बीच का संबंध

I1RUT2

स्वाध्याय

(अ) स्थान की स्थिति या वह किस ओर है, इसके लिए हम किसका उपयोग करते हैं ?

(आ) मानचित्र में पैमाना किसलिए दिया जाता है ?

उपक्रम

- गीली मिट्‌टी, कागज की लुगदी, गत्ते जैसी सामग्री का उपयोग करके अपने परिसर का उभारदर्शक मानचित्र तैयार करो । उसके लिए शिक्षकों की सहायता लो ।

***